2009

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: हाई स्कूल परीक्षा नियमित

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 4 0 1 परीक्षा का विषय Hindi
2. परीक्षा का माध्यम English परीक्षा की दिनांक 19/3/09
3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C,या D) अनिवार्यतः भरें — कोड: T-1002 सेट:

केन्द्र क्रमांक की सील: केन्द्र क्रमांक 561002

[redacted]

4. परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंकों में)

1	9	5	6	1	6	0	3	8

5. नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :—

one	nine	five	six	one	six	zero	three	eight

[redacted]

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :—

क :— संख्या शब्दों में One अंकों में 1

ख :— परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 7 में है।

ग :— उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) Shakee

नाम Jagashree V. पद Teacher

पता / संस्था Scholars' Den School

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें मु... उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

B S E M P

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिव... यथा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया... पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समा...

हस्ताक्षर (परीक्षक) M

परीक्षक क्रमांक 921066

हस्ताक्षर (उपमुख्य प...

दिनांक........................

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास' किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

③ [ ] + = [ ]
योग पूर्व पृष्ठ अंक

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. रिक्त-स्थानों की पूर्ति उचित शब्दों का चयन करके कीजिए :

(i) तुलसीदास राम-भक्ति शाखा के कवि थे।

(ii) संस्कृति की प्रवृत्ति महाफल देने वाली होती है।

(iii) पीड़ा को दुलारने वाला घनश्याम है।

(iv) 'सरस्वती' पत्रिका का सम्पादन महावीर प्रसाद द्विवेदी ने किया।

(v) 'सिंगार' शब्द का तत्सम रूप श्रृंगार है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर एक वाक्य अथवा एक शब्द में दीजिए :

(i) होली खेलने के लिए 'मीरा' फागुन के कितने दिन मानती है?
→ होली खेलने के लिए मीरा फागुन के चार दिन मानती है।

BSEMP

(ii) 'सच्ची वीरता' निबन्ध लेखक कौन है ?

→ 'सच्ची वीरता' के लेखक है
उपाध्याय सिंह 'हरिऔध' ।

(iii) 'जो कम बोलता हो' शब्द-समूह के लिए एक शब्द बताइए ।

→ जो कम बोलता हो — मितभाषी

(iv) 'एक अनार सौ बीमार' का क्या अर्थ है ?

→ 'एक अनार सौ बीमार' का अर्थ है :
चीज़ कम और चाहने वाले अधिक ।

(v) समयाभाव का बहाना बनाने वाले कहाँ तक नहीं पहुँच पाते है ?

→ समयाभाव का बहाना बनाने वाले सफलता तक नहीं पहुँच पाते है ।

BSEMP

मध्यप्रदेश

3. स्तम्भ 'क' से 'ख' का मिलान कर सही जोड़े बनाइये :

'क'	'ख'
(i) इस नदी की धार में	दुष्यन्त कुमार
(ii) तुम वही दीपक बनोगे	दिवाकर वर्मा
(iii) हर्ष, विस्मय, घृणा, खुशी, शोक, करुणा आदि भावों के प्रयुक्त किया जाता है	विस्मयादिसूचक चिह्न
(iv) मजदूरी और प्रेम	सरदार पूर्णसिंह
(v) 'क्षणिक' का विलोम शब्द है	शाश्वत

BSEMP

मध्यप्रदेश

4. सत्य / असत्य का चयन कीजिए :

(i) 'संस्मरण' में कल्पना तत्व प्रधान होता है।
→ सत्य

(ii) 'साये में धूप' दुष्यन्त कुमार का गज़ल - संग्रह है।
→ सत्य

(iii) 'नववर्ष मंगलमय हो' इच्छावाचक वाक्य है।
→ सत्य

(iv) 'कर्मवीर' कविता में 'ओज' गुण है।
→ सत्य

(v) अर्थ के आधार पर वाक्यों को दस भागों में बाँटा जा सकता है।
→ असत्य

BSEMP

सही विकल्प चुनकर लिखिए :

5 (i) 'राष्ट्र संवर्धन' का सबसे प्रबल कार्य है :
→ संस्कृति की साधना।

(ii) 'तुम्हारी विरासत' कविता का स्वर है :—
→ आस्थावादी

(iii) समास के पद होने चाहिए :—
→ दो

(iv) 'यह कुटुम्ब एक महान वृक्ष है, हम सब इसकी डालियाँ हैं।" यह कथन है :
→ दादाजी की

(v) 'मजदूरी और प्रेम' निबन्ध के अनुसार सच्चा आनन्द प्राप्त होता है :
→ श्रम में।

BSEMP

पृष्ठ के अंको

(8) + [ ] = [ ]

पृष्ठ 8 के अंक

6. "वह देश कौन सा है।" कविता का सार अपने शब्दो में लिखिए।

उत्तर → 'वह देश कौन सा है' कविता पं. राम नरेश त्रिपाठी द्वारा लिखी गई है।

इस कविता में कवि ने भारत की विशेषताएँ प्रश्न पूछते हुए बताई है। कवि कहते है कि भारत देश मन-मोहिनी प्राकृति की गोद में बसा है। इस देश में नदियाँ अमृत की धारा बहाती है। इस देश में हिमालय सबसे ऊँचा उठकर मुकुट स्वरूप दिखाई देता है। कवि कहते है कि भारत देश की धरती अनन्त धन से लदी भरी पड़ी है और यहाँ के खेतो में ~~ल~~ हरियाली लहराती रहती है। कवि ने बताया है कि भारत की सुन्दरता को प्राकृति भी स्वीकारती है इसलिए वह भारत देश के चरण समुद्र धो रहे है। भारत देश को संसार का शिरोमणि भी कहा है। कवि पुनः कहते है कि यहाँ के देशवासियो ने ही संसार को सबसे पहले जगाया, पढ़ाया लिखाया और शिक्षित किया। भारत देश मे ~~श~~ श्रीराम

B S E M P

पृष्ठ के अंको का योग

से पुत्र है जिन्होने अपने पिता के कहने पर अपना राज्य छोड़ दिया और वह भारत देश ही है जहाँ श्री लक्ष्मण और भरत जैसे शुद्ध प्रेमी भाई हुए है। इस प्रकार कवि ने भारत देश कि विशेषताएँ बताई है।

7. 'बरखा गीत' गीत के अनुसार वर्षा के आगमन पर धरती में क्या क्या परिवर्तन होते हैं ?

उत्तर- 'बरखा गीत' गीत के अनुसार वर्षा ने होने के कारण पूरी धरती सूख जाती है और भरी हुई गगरियाँ खाली हो जाती है, लेकिन जैसे ही वर्षा आती है तो धरती पर निम्नलिखित परिवर्तन होते है :-

1. वर्षा के आने से चारो ओर खुशहाली नजर में आती है।
2. मरूस्थल भीग जाते है।
3. वर्षा के आने से मधुवन महक ने लगता है।
4. वर्षा के आने से पेड़ो की छाया और गहरी हो जाती है।
5. वर्षा के आगमन से मुरझाई हुई धरती हरी-भरी हो जाती है।
6. खाली गगरियाँ फिर से भरने लगती है।
7. आसमान में बादल छा जाते है।

पृष्ठ के अंकों का योग
5

BSEMP

8 और वर्षा के आगमन से झूले पर कजली पहरने लगती है।
इस प्रकार सभी प्राणी वर्षा के आगमन से बहुत खुश होते हैं।

8. 'तुम वही दीपक बनोगे' कविता में कवि ने जमाने के चलन को सुधारने के लिए युवाओ से क्या अपेक्षाएँ की है?

उत्तर - 'तुम वही दीपक बनोगे' कविता में कृति युवाओ से निम्न अपेक्षाएँ करते है :-

1. कवि युवाओ से कहते है कि जो अमावस्य की काली रात को धूप के समान उजियार कर दे, उस प्रकार के तुम दीपक बनोगे।

2. कवि फिर युवाओ से अपेक्षा करते है कि वह मधुर - मदक मत ध्वनि से लोगो के दर्द दूर करेगा।

3 मलय पर्वत की वायु के समान लोगो को संजीवन प्रदान करेगा (अर्थात नया) जीवन देगा।

4. आज लोगो के रिश्ते दूध में अम्ल की तरह फट रहे है और युवा से अपेक्षा करता है कि वह उनके रिश्तो को

BSEMP

[ ] पृष्ठ के ... का योग

B S E M P

फिर से बनवाएगा।

5. आज अग्नि की ज्वाला लपटें चारो ओर फैल रही है और नफरत फैल रही है इसलिए कवि युवाओं से अपेक्षा करते हैं कि वह इस नफरत को दूर करेगा।

इस प्रकार दिवाकर वर्मा जो इस कविता के कवि है युवा पीढ़ी से बहुत-सी अपेक्षा करते हैं।

9. सम्राट अशोक के चरित्र की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर- सम्राट अशोक मगध के राजा थे। उनकी निम्न विशेषताएँ थी:-

1. वे विनम्र थे।
2. वे गुणग्राही थे।
3. वे उदार थे।
4. वे स्त्री के सम्मानकर्ता थे।
5. वे परम वीर और महायोद्धा थे।

उनके चरित्र की विशेषताएँ उस समय भी दिखी जब उन्हे कलिंग की महारानी अमिता ने किसी को डराने, किसी को मारने और किसी से छीनने के लिए मना किया था। इसलिए उन्होने प्रतीज्ञा ली थी कि वह किसीसे छीनेगा नहीं, किसी को मारेगा नही और किसी को

(12)

डराएगा नहीं, वह हिंसा और युद्ध से विजय की कामना नहीं करेगा।

10. "कश्मीर की मिट्टी में ही प्यार-मुहब्बत की महक है।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर → 'कश्मीर की मिट्टी में ही प्यार-मुहब्बत की महक है।" इस कथन का यह आशय है कि कश्मीरवासियों में अपनापन है, प्रेम है दुलार है। वे सबको अपना मानते हैं, वह जो भी व्यक्ति जाता है उनमें ही रंग जाता है, उस व्यक्ति को ऐसा लगता ही नहीं है कि वह कहीं बाहर से आया है। कश्मीर के लोग जंगल में भी मंगल करते हैं। उन्हें किसी भी प्रकार की कठिनाइयों की चिंता नहीं रहती है और वह प्रकृति का जी भरकर आनन्द लेते हैं। कश्मीर के लोगों के लिए कोई अपना और पराया नहीं होता, वहाँ पहुँचे हर व्यक्ति को वह सही राह दिखाते हैं और पूरा कश्मीर घुमाते हैं। अगर पृथ्वी पर कहीं स्वर्ग है तो वह कश्मीर पर ही है, इसलिए यह

BSEMP

कहना बिलकुल ठीक है कि कश्मीर की मिट्टी में ही प्यार - मुहब्बत की महक है।

ii प्रसन्न व्यक्ति की ओर लोग क्यों आकर्षित होते हैं?

उत्तर → प्रसन्न व्यक्ति की ओर लोग आकर्षित होते हैं, उनकी मित्रता प्राप्त करना चाहते हैं। प्रसन्नता एक आध्यात्मिक वृत्ति है, एक दैवी चेतना है। आज के समय मे खिलखिलाहटों की गूँज कहीं खो सी गई है। आज मनुष्य को किसी भी चीज़ के लिए समय नहीं है और समय मिलता भी है तो वह चिंता और व्याकुलता के लिए, इसलिए लोग कई रोगों से ग्रसित हो रहे हैं। जब वह किसी प्रसन्नचित व्यक्ति से मिलते हैं तो वह अपने दुःख दर्द भुल जाते हैं। प्रसन्न व्यक्ति के साथ रहकर कोई भी व्यक्ति खुद प्रसन्न रह सकता है। प्रसन्न व्यक्ति हमेशा मुस्कुराता और हँसता रहता है और यही दीर्घ आयु के सूत्र है। प्रसन्न व्यक्ति रोगो से दूर रहता है। रोग उसे छू भी नहीं सकते हैं। वह हर बात मुस्कुराकर कहता है, इससे हर व्यक्ति उसकी बातों पर अधिक ध्यान

BSEMP

देता है और आकर्षित होता है।

12. एकांकी विधा से आप क्या समझते हैं? दो एकांकीकारो के नाम लिखिए :-

उत्तर → परिभाषा:-

एक ऐकीय नाट्य विधा एकांकी कहलाती है। इसे सीमित पात्रो के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है।

एकांकी के सात तत्व होते है;-

1. कथावस्तु
2. संवाद या कथोपकथन
3. पात्र व चरित्र - चित्रण
4. देशकाल व वातावरण
5. भाषाशैली
उद्देश्य
रंगमंचियता

एकांकीकारो के नाम	एकांकी
डॉ. रामकुमार शर्मा	रेशमी टाई
उपेन्द्रनाथ 'अश्क'	सूखी डाली

B S E M P

13 (क) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए :-

1. अन्धे की लाठी → एक मात्र सहारा
वाक्य :- रीना के परिवार की भीषण दुर्घटना में मृत्यु हो गई अब तो उनका बेटा ही उनकी अन्धे की लाठी है।

2. दाँत खट्टे करना → हार मानना
वाक्य :- सम्राट अशोक के सामने उसके शत्रु दाँत खट्टे कर देते थे।

BSEMP

(ख) लोकोक्ति का अर्थ स्पष्ट करते हुए कोई एक उदाहरण दीजिए।

उत्तर → लोकोक्ति ऐसे शब्दों का समूह है या एक ऐसा वाक्य है जो किसी कहानी या चिरसत्य घटना से लिया गया हो। साधारण भाषा में लोकोक्ति को कहावत भी कहते हैं।
लोक + उक्ति → अर्थात लोगों में प्रचलित उक्ति लोकोक्ति कहलाती है।
लोकोक्ति अपने आप में स्वतंत्र होती है।

पृष्ठ के अंकों का योग

उदाहरण :-

कहाँ राजा भोज कहाँ गंगु तेली

अर्थ → दो असमान चीज़ो की तुलना करना

वाक्य → गाँव वालो के कहने पर रामदेव अपनी बेटी का रिश्ता सेठ के पास ले गया। यह तो वही बात हुई कहाँ राजा भोज कहाँ गंगु तेली।

B

14 (क) निम्नलिखित शब्दो के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :-

S

फूल → पुष्प , कुसुम

I

M

आकाश → अम्बर , गगन

P

(ख) निम्नलिखित शब्दो के विलोम शब्द लिखिए :

उपकार — अपकार

लाभ — हानि

पृष्ठ के अंकों का योग

(17) [ ] + [ ] = [ ]
योग पृष्ठ अंक कुल अंक

15 (क) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कर संधि का नाम लिखिए :-
सूर्योदय → सूर्य + उदय (गुण स्वर संधि)

2. महात्मा → महा + आत्मा (दीर्घ स्वर संधि)

B (ख) निम्न लिखित शब्दो के समास-विग्रह कर समास का नाम बताइए !
S माता-पिता → माता और पिता
E (द्वन्द समास)
M
P 2. रात-दिन → रात और दिन
(द्वन्द समास)

16 "कुटुम्ब एक महान वृक्ष है। छोटी-बड़ी सभी डालियाँ उसकी छाया को बढ़ाती हैं।" सूखी डाली एकांकी के आधार पर स्पष्ट कीजिए !—

पृष्ठ के अंकों का योग
उत्तर → "कुटुम्ब एक महान वृक्ष है। छोटी-बड़ी सभी डालियाँ उसकी छाया को बढ़ाती हैं।"

इन पंक्तियों में कुटुम्ब का अर्थ है एक संयुक्त परिवार से जो सचमुच एक वृक्ष के समान होता है। वृक्ष की जो डालियाँ होती है उन्हे उन्हे परिवार के एक-एक सदस्य से समान मानी है। और परिवार में अभिभावक का संरक्षण सुख और शांति बनाए रखता है।

जिस प्रकार बूट वृक्ष की छाया स्थाई, शीतल और सुखद होती है उसी प्रकार परिवार का मुखिया घर में सुख और शांती बनाए रखता है।

परिवार के मुखिया इस एकांकी में दादाजी है तो वह अपने परिवार को एक विशाल वट वृक्ष के रूप में मानते है और हर एक सदस्य को पेड़ की डाली के समान। वृक्ष में डालियाँ बड़ी हो या छोटी वह उसकी छाया को बढ़ाती है। दादाजी पेड़ से किसी भी डाली का टूट कर अलग होना पसंद नहीं करते है।

संयुक्त परिवार में सदस्य मिल जुल कर मुसीबतो का सामना

BSEMP

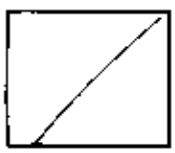

पृष्ठ के अंकों का योग

करते हैं। आज इस एकांकी मे दादाजी न होते तो परिवार टूट जाता और कहीं का नही रह जाता।

17 निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश की सन्दर्भ –प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।
"पायो जी .... गायौं ||"

प्रसंग :- प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारे पाठ्य पुस्तक हिन्दी सामान्य 'वासंती' के पाठ 'मीराबाई' से ली गई है। इसकी कवित्री मीराबाई है।

संदर्भ :- प्रस्तुत पद मे मीराबाई ने प्राप्त राम रतन धन की विशेषताएँ बताई है।

व्याख्या :- कवित्रि कहती है कि मुझे राम रत्न धन मिल चुका है और यह धन उन्हे अपने सतगुरू की कृपा से मिला है। और कवित्रि कहती है कि उन्होने इस धन के लिए अपनी जन्म जन्म की पूँजी और सब कुछ खो दिया है। इस धन की विशेषता यह है कि यह ना तो चोर चुरा सकता है और नाही यह खर्च करने पर घटती है, यह तो खर्च करने पर दिन पे दिन बढ़ती जाती है। वह पुनः कहती है कि सतगुरू की कृपा ईश्वर के समान अद्वितीय है और

B S E M P

उन्होंने इसकी नाव को संसार रूपी सागर से पार कराया है। मीराबाई के प्रभु गिरि धारण करने वाले श्री कृष्ण है और वह हर्षित-हर्षित होकर इनका यश गा रही है।

18 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर दीजिए:-

सम्भवतः - - - - - - - गरीयसी।

1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक है "माँ विधाता है"

2. मनुष्य को संसार से परिचित कौन कराता है।

मनुष्य को संसार से परिचित कराने वाला विधाता माँ ही है।

3 माँ और मातृभूमि कहाँ पर वन्दनीय है।

माँ और मातृभूमि स्वर्ग मे भी वन्दनीय है।

B S E M P

19 तुम युवक हो .... दोगे।

1 उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए :-
→ उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक :-
"तुम युवक हो।"

युवा वर्ग क्या-क्या कर सकता है?
2 → आज का युवा वर्ग काल को काल से देखता रहा है, यह देश का सौभाग्य है अपने खून से लिखते हैं। यह अगर ठान ले तो युग को नई तस्वीर देंगे। और सिर्फ गरजने से यह शत्रुओ का कलेजा चीर देंगे।

3 → युवा सिर्फ गरजने से शत्रुओं के कलेजे चीर सकता है।

B
S
E
M
P

20 विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु अपने प्राचार्य को प्रार्थना पत्र।

सेवा में,
प्राचार्य
संत जोसफ कॉन्वेंट उ.मा.वि.
खण्डवा (म.प्र.)

विषय :- विद्यालय छोड़ने हेतु प्रमाण पत्र के लिए प्रार्थना पत्र।

महोदय जी,
नम्र निवेदन है कि मैं आपकी शाला की छात्रा हूँ और मैं गत वर्ष अच्छे अंको से उत्तीर्ण हुई थी, अब मैं दसवी की पढ़ाई बाहर जाकर करना चाहती हूँ।
कृपया मुझे विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र दे। जितनी जल्दी हो सके। मैं आपकी आभारी रहूँगी।
धन्यवाद

दिनांक
19/3/09

आपकी आज्ञाकारी छात्रा
अ, ब, स

BSEMP

(23) + [ ] = [ ]

पृष्ठ 23 के अंक

मध्यप्रदेश

2) निबन्ध

विज्ञान : वरदान या अभिशाप

प्रस्तावना

1 हमारा अतीत

2 विज्ञान की देन

3 विज्ञान अभिशाप के रूप मे

4 उपसंहार

5

B S E M P

प्रस्तावना :- वर्तमान युग विज्ञान का युग है। वर्तमान पीढ़ी जितना विज्ञान का लाभ उठा रही है, उतना शायद ही किसी पीढ़ी ने उठाया होगा। विज्ञान ने हमारी काया पलट दी है। हम प्रतिदिन नवीनतम के दर्शन कर रहे है।

विज्ञान एक ऐसी शक्ति है, जो अच्छे कार्यों में लगा दी जाए तो वह वरदान बन जाती है और बुरे कार्यों में लगा दे तो अभिशाप बन जाऐगी। विज्ञान ने आज विश्व को छोटा-सा बना दिया है।

हमारा अतीत :- कुछ सौ वर्ष पूर्व संदेश भेजना, दूसरे शहर जाना कठिन हुआ करता था। कहीं जाने के लिए जंगलो में से निकलना पड़ता था जो बहुत ही भयंकर था।

पृष्ठ के अंकों का योग

विज्ञान की देन :- विज्ञान ने हर जगत मे बहुत सी वस्तुएँ उपलब्ध कराई है।

1. शिक्षा के क्षेत्र में :- शिक्षा के क्षेत्र मे विज्ञान की देन की तो बात ही नही है आज शिक्षा जगत की प्रत्येक वस्तु विज्ञान ने उपलब्ध कराई है, जिससे शिक्षा आसान हो गई है।

2. चिकित्सा के क्षेत्र मे :- आज विज्ञान ने बड़ी से बड़ी बिमारियो पर भी विजय प्राप्त कर ली है। बिमारियाँ जैसे केन्सर, टी.बी. इन सब के इलाज विज्ञान ने खोज लिए है। आज एक्स-रे की मदद से शरीर के भीतर देखा जा सकता है।

3. आवगमन के क्षेत्र मे :- आज दो देशो और दो शहरो के बीच की दूरी कम हो गई है। आवगमन के बहुत से साधन विज्ञान ने उपलब्ध कराए है जैसे बस, ट्रेन, गाड़ी आज हवाई जहाज की मदद से अंतरिक्ष मे भी जाया जा सकता है।

मनोरंजन के क्षेत्र मे :- विज्ञान ने मनोरंजन के क्षेत्र मे भी नई उपलब्धी प्राप्त कि है आज टी.वी. सिनेमा, रेडियो ने हमे भरपूर मनोरंजन प्रदान किया है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

पूरक उ.पु. 4

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षक के लिये

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

1. केन्द्र की सील
2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक 19/03/9
3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील
4. केन्द्र क्रमांक 561002
6. परीक्षा का नाम High School
7. विषय Hindi 8. माध्यम English
8. दिनांक 19/3/09

पृष्ठ

B S E M P

5 वार्तालाप के क्षेत्र मे :- आज लोगो को संदेश बहुत आसानी से भेजा जा सकता है। विज्ञान ने टेलीफोन, फेक्स, इंटरनेट, मोबाईल फोन उपलब्ध कराए है जिसकी मदद से आज दूर बैठे व्यक्ति से भी बाते आसानी से की जाती है।

6 कृषि के क्षेत्र मे :- विज्ञान ने किसान की बहुत मदद की है। आज अलग अलग रसायनो की मदद से खेती अच्छे से की जा रही है और अच्छी फसल भी उग रही है। कई कीटनाशक दवाईयाँ भी कृषि मे उपयोग की जा रही है।

घर की वस्तुओ मे :- घर मे आज विज्ञान की देन से सिलाई मशीन, कपड़े धोने की मशीन और अन्य मशीनो ने कार्य को आसान कर दिया है।

पृष्ठ के अंकों का योग

विज्ञान अभिशाप के रूप मे :- विज्ञान ने जहाँ बहुत सी

वस्तुएँ उपलब्ध कराई है वहो ऐसी भी वस्तुएँ बनाई है जो संसार को जल्दी ही नाश कर सकती है जैसे अ एटम बम्ब अलग अलग प्रकार की बन्दूके जो लोगो की जान ले रही है। अमेरिका ने बम्ब का उपयोग हिरोशिमा और नागासाकी पर किया था जिससे उन सब की जान चली गई।

उपसंहार :- आज जहाँ विज्ञान ने कई वस्तुएँ हमारे हित के लिए उपलब्ध कराई है वही हमारी वह वस्तुएँ जान भी ले सकती है। इसलिए आवश्यक है कि विज्ञान को सही रूप मे प्रयोग करना है। विज्ञान को वरदान बनने दे अभिशाप नही।

"विज्ञान एक अच्छा सेवक है, पर बुरा हथियार।"

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(3)

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 3 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

4

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 4 के अंक = कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग